>

Title : Need to provide rehabilitation/compensation to the people affected due to Tsumani in Andaman and Nicobar Islands.

श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह): मैडम, मैं अण्डमान-निकोबार की सुनामी के बारे में बात करना चाहता हूं। सुनामी के पश्चात वहां आप भी गए थे, माननीय सुषमा जी, आडवाणी जी, कलाम साहब वहां गए थे, भारत के प्रधानमंत्री और मंत्री भी गए थे। पांच साल के बाद अण्डमान-निकोबार की हालत के बारे में आपको जानकारी देना चाहता हूं जिससे उस पर कार्रवाई हो।

हमारे द्वीप के जो किसान हैं किसी के पास चार बीघा, पांच बीघा, आठ बीघा जमीन है। सुनामी के पश्चात अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह में धान की खेती डूबी है 3,950 हेक्टेअर, नारियल-सुपारी का बगीचा डूब चुका है 660 हेक्टेअर। यह रिपोर्ट एम.एस. स्वामीनाथन साहब द्वारा दी गयी है। इसके अलावा जिन लोगों ने अपना पैसा जमा करके हाउससाइड जमीन खरीदी थी, ऐसी 5,000 हाउससाइड डूब चुकी हैं। कुल डूब चुकी जमीन का परिमाण 10,710 हेक्टेअर है। इसके साथ ही, जो लोगों की मुर्गी, बकरी, गाय, भैंसों का नुकसान हुआ था, उनकी कुल संख्या 1,57,000 है। इसका सरकार द्वारा एसेसमेंट हुआ था और इसके लिए 25 करोड़ रूपए सैंक्शन भी हुए थे। लेकिन दुख की बात यह है कि तमिलनाडु सरकार ने जिसकी गाय, बकरी, भैंसें मारी गयी, उनको रूपए दिया गया और अण्डमान में दो करोड़ रूपया दिया गया। निकोबार द्वीप के लिए 50 प्रतिशत उनको पेमेंट दिया, 50 प्रतिशत अभी बाकी है। अण्डमान जिले में जिन लोगों की गाय, भैंस, बकरी मारी गयी, उनको आज तक रूपए नहीं दिए गए और पांच साल बाद सरकार बोल रही है कि आपको रूपए मिलेंगे, उसको दस साल के लिए फिक्स डिपॉजिट करेंगे। पांच-दस साल बाद आप अपने नुकसान का पैसा फिक्स डिपॉजिट से लेना। यह स्थिति है खासकर गाय, भैंस, बकरी और जमीन के बारे में। कुछ लोगों को जो कंपेनसेशन देना था, आज तक नहीं दिया गया है। परमानेंट शेल्टर चला गया, घर चला गया, घर के लिए रूपया मिला, फ्री डोल मिला, राशन मिला, उनको सरकार की ओर टिन दिया, लेकिन आज तक घर नहीं मिला। खासकरके सरकारी कर्मचारी को मिनिमम रूपए देना था, वह नहीं मिला, उनको दिया लोन, नहीं दिया कंपेनसेशन। काफी किराएदारों के घर का सामान खत्म हो गया, हाउसहोल्ड आइटम्स के 13,000 रूपए आज तक नहीं मिले। 3000 रूपए की इंटेरिम रिलीफ आज तक लोगों ने नहीं मिली। डा0एम.एस.स्वामीनाथन जी ने एक रिपोर्ट तैयार की थी। प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि पैसे की कमी अण्डमान-निकोबार को नहीं होगी। न्यू अंडमान बनाएंगे। उन्होंने सचमुच में एक अच्छी बात कही थी और उस दिशा में कुछ काम भी किया, लेकिन किसानों के लिए उन्होंने क्या किया, उस दर्द भरी कहानी को मैं सुनाना चाहता हूं।

सुनामी के नाम पर कहा गया कि लैंड को रिक्लेम करो, पर्मानेंट डाइक बनाओ, स्लूस गेट्स बनाओ। लेकिन हुआ क्या? जैसे मेडीसिन बनाने से पहले चुहे पर, गिनि-पिग्स पर टैस्ट होता है वैसा टैस्ट स्लूस गेट के नाम पर तथा मिट्टी के बांध बनाने के नाम पर अंडमान-निकोबार में किया गया। लैंड पूरा डूब गया लेकिन पोन्ड और तालाब दिया गया। लैंड पूरा डूब गया लेकिन पावर-टिलर दिया गया, लैंड पूरा डूब गया लेकिन दिया गया पम्प-सैट, लैंड पूरा डूब गया लेकिन आर्गेनिक मेन्यूर दिया गया, लैंड पूरा डूब गया लेकिन उसे फॉर्म-इनपुट्स जैसे गायती, सबल, मार्तुल आदि दिया गया। अंडमान जिला परिषद ने पहाड़ काटकर मिट्टी का बांध बनाया। पीडब्ल्यूडी ने स्लूस गेट्स के नाम पर करोड़ों रुपये का खर्चा किया। मैं अनुरोध करुंगा कि बांध बनाने के नाम पर, स्लूस गेट्स के नाम पर जितना रुपया खर्च हुआ, आप आज टीम भेजकर देखें कि एक इंच जमीन भी रिक्लेम नहीं हुई। माननीया सुषमा जी स्टेंडिंग कमेटी की चेयरपर्सन थीं, माननीय लाल कृष्ण आडवाणी जी तथा भारत सरकार के मंत्री तथा कलाम साहब ने वहां का दौरा किया। माननीय कलाम साहब तथा डा. एम.एस. स्वामीनाथन जी ने पर्मानेंट स्लूस गेट्स बनाने तथा लैंड के रिक्लेम की बात कही थी, लेकिन वहां कुछ भी नहीं हुआ। इस बारे में क्या करना चाहिए, वह मैं बताना चाहता हूं। जिन लोगों की जमीन डूब चुकी है उनके सामने पम्प-सैट, पावर-टिलर खड़ा है। किसान कहता है कि एमपी साहब, हमें सरकार ने पम्प-सैट और पावर टिलर दिया है जो मेरे घर के आंगन में पड़े हैं, आप इसे ले जाओ और इसे म्यूजियम वालों को दे दो। जिनके खेत डूब चुके हैं, उन्हें जब तक आल्टरनेट लैंड न मिले, राशन मुफ्त दिया जाए। आल्टरनेट लैंड देने के बाद में जब तक लैंड डिवेलपमेंट नहीं होगा, लैंड से इन्कम शुरु नहीं होगा, तब तक उन्हें राशन फ्री दिया जाए। सन् 1930 में ब्रिटिश सरकान ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में स्लूस गेट्स बनाए थे जो 75 साल चले और हमारी सरकार ने एक्सपेरिमेंट्स करके करोड़ों रुपये खर्च कर दिये लेकिन स्लूस गेट्स नहीं बने। मैं अनुरोध करुंगा कि साइंटिफिक तरीके से स्लूस गेट्स बनें। ब्रिटिश सरकार ने 1930 में स्लूस गेट्स बनाये थे लेकिन आज तो साइंस बहुत तरक्की कर चुकी है, आज सरकार स्लूस गेट्स तथा पर्मानेंट डाइक बनाए जिससे खड़ा पानी जमीन में न घुसे।

आज जिस परिवार के खेती और बगीचे की जमीन पांच साल से डूबे पड़े हुए हैं, उनके परिवार के एक सदस्य को पर्मानेंट नौकरी मिले, यह मेरी पार्टी की मांग है। जिसकी हाउस-सैट जमीन डूब चुकी है, उनको सरकार हाउस के लिए साइट दे, लैंड डिवेलप करके दे। जिनको पर्मानेंट सेल्टर नहीं मिला है, ऐसे परिवारों को सरकार पर्मानेंट सेल्टर दे। गवर्नमेंट सर्वेंट को जो रुपया आज तक नहीं मिला है वह भी उसे दिया जाना चाहिए। अगर तमिलनाडु की सरकार यह कर सकती है तो क्यों भारत सरकार यह काम नहीं कर सकती है। हमारे यहां 1 लाख 50 हजार गाय, मुर्गी, भेंस मारी गयी, लेकिन कुछ नहीं दिया गया लेकिन तमिलनाडु सरकार ने उनकी गाय, मुर्गी, सुअर आदि के मरने पर रुपया दिया लेकिन निकोबार को रुपया आधा दिया गया। मैं पार्लियामेंट से अनुरोध करुंगा कि वहां एक टीम जाए .....

MADAM SPEAKER: Please expunge the unparliamentary expressions.

...(व्यवधान) *

श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह): यूपीए सरकार अंडमान-निकोबार द्वीप के लोगों की मांग को पूरा करे और एक टीम पार्लियामेंट से जाए जो पूरी स्थिति को देखे। मैडम, आप खुद वहां गयी थीं। काफी परिवार कैम्बेल बे, लिटल अंडमान तथा साउथ अंडमान में, जिनको परमानेंट शैल्टर मिलना था, उन परिवारों को एपीडब्ल्युडी द्वारा टीन, पोस्ट आदि दिया गया तथा राशन, कम्पंसेशन मनी दिया, लेकिन परमानेंट शैल्टर नहीं दिया, इसलिए आज भी व लोग सड़कों पर हैं। इन परिवारों को परमानेंट शैल्टर दिया जाए।

मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि भारत सरकार सीबीआई की एक टीम गठित करे, जो शैल्टर के नाम पर लूटे गए रुपयों की जांच करे।

अध्यक्ष महोदया : रेवती रमन जी।

â€¦(व्यवधान)

SHRI MANISH TEWARI : Madam Speaker, I do not want to interrupt the proceedings of the House. But I want to raise a very important matter. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please take your seat. I will call you.

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाएं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए, आपको बोलने का मौका मिलेगा।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : केवल रेवती रमन जी की बात रिकार्ड में जाएगी।

*(Interruptions) â€¦ **